Forest Department

आजीविका वर्धन वयवसाय योजना

हथकरघा

सवयं सहायता समूह रिग्पे चोक्पे
वी. एफ. डी. एस.तिंनो

एस.एच.जी. नाम	रिग्पे चोक्पे
वी.एफ.डी.एस.नाम	तिंनो
एफ.टी.यू. / रेंज	केलांग
डी.एम.यू. /मंडल	लाहौल
एफ.सी.सी.यू. / सर्किल	कुल्लू

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना

(जाईका वित पोषित)

अनुक्रमानिका

क्र. स.	विवरण	प्रष्ठ संख्या
1	कार्यकारणी सारांश	1-2
2	परिचय	3
3	सवयं सहायता समूह की सूची	4
4	समूह का विवरण	5
5	ग्राम की भोगोलिक स्तिथि	6-7
6	आय सृजन गितिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	8
7	उत्पाद हेतु नियोजन	9
8	बिक्री का विवरण	9
9	समूह के मध्य प्रबंधन का विवरण	10
10	शक्ति , दुबर्लता अवसर जोखिम का विशलेषण	10
11	संभावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	11
12	उद्यम हेतु अनुमानित लागत	11-13
13	उद्यम लागत	14
14	समूह की वितीय आवश्यकता	14
15	सम विच्छेदन बिंदु की गणना (ब्रेक इवन पॉइंट)	14
16	सवयं सहायता समूह के नियमों की सूची	15
17	समूह का सहमती पत्र	16
18	समान रुचि समूह के प्रत्येक सदस्य का फोटोग्राफ	17

1. परिचय

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय क्षेत्र में स्थित पहाड़ी राज्य है। जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्धि संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। हिमाचल प्रदेश की जलवायु बहुत उपयुक्त है तथा अनेक छोटी-बड़ी नदियां व घाटियां प्रदेश की सुंदरता को बढ़ाती है। प्रदेश की कुल आबादी 70लाख है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग किलोमीटर है जो कि शिवालिक पहाड़ियों के ऊपरी हिमालय के शीत मरुस्थल क्षेत्र तक फैला हुआ है।यहां कृषि व बागवानी मुख्य व्यवसाय है। हिमाचल प्रदेश के 12 जिलों में लाहौल जिला पर्यटन कृषि व जड़ी-बूटी के लिए प्रसिद्ध है।.

गांव तिंनो , जिला लाहौल स्पीति ,हिमाचल प्रदेशमें स्थित है। लाहौल जिले की घाटियों को भौतिक संरचना के आधार पर तरह-तरह के नाम दिए गए हैं, जिसमें एक नाम केलोंग वैली है। तिनों लाहौल मुख्यालय से लगभग 18 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

यहाँ के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है। अधिकतर लोगों के पास बहुत कम जमीन है, जिसके कारण उनकी आजीविका का निर्वाह अच्छे ढंग से नहीं हो पा रहा है।

जीवन निर्वाह को अच्छा करने के लिए लोग नकदी फसल व बागवानी का कार्य करके अपनी आजीविका चलाते हैं। गांव में लोग गलीचे का कार्य भी कर रहे हैं, परंतु उत्पादन पारंपरिक तरीके से होता है। इससे उत्पादन कम और आय भी कम होती है। इस समस्या को दूर करने के लिए व उत्पादों का उत्पादन बढ़ाने के लिए इन महिलाओं को उन्नत किस्म के यंत्रों के बारे में जो इस उत्पादन के लिए उपयुक्त है, उनकी जानकारी की आवश्यकता है।

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र एवं प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना ने गांव में ग्राम वन समिति तिनों के गठन के बाद लोगों को आजीविका के साधन बढ़ाने के लिए समूह में कार्य करने के बारे में बताया। परियोजना के माध्यम से 03 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया। इसके बाद "रिग्पे चोक्पे" स्वयं सहायता समूह" ने गलीचे बनाने का कार्य करने का निर्णय लिया। इस समूह में 9 सदस्य शामिल हुए।

रिग्पे चोक्पे सवयं सहायता समूह की सूची

T.	लाभार्थी का नाम	पद	आयु	लिंग	योग्यता	श्रेणी	संपर्क
1	देचेन जन्गमो	प्रधान	30	स्त्री	8^{TH}	अनुसूचित जनजाति	7018632193
2	कुमारी छोमो	सचिव	54	स्त्री	10^{TH}	अनुसूचित जनजाति	7876460514
3	विजय लक्ष्मी	सदस्य	25	स्त्री	12^{TH}	अनुसूचित जनजाति	7650045389
4	नोरु पुल्जोम	सदस्य	60	स्त्री	-	अनुसूचित जनजाति	7876781847
5	कमला	सदस्य	57	स्त्री	B.A.	अनुसूचित जनजाति	9317915809
6	टशी लामो	सदस्य	51	स्त्री	-	अनुसूचित जनजाति	7876066108
7	किद्जोम	सदस्य	64	स्त्री	-	अनुसूचित जनजाति	-
8	कुमारी कमला देवी	सदस्य	62	स्त्री	-	अनुसूचित जनजाति	8219184944
9	सोनम छोमो	सदस्य	70	स्त्री	-	अनुसूचित जनजाति	7876770798

3.4 सवयं सहायता का विवरण

1	**समूह का नाम**	**रिग्पे चोक्पे**
2	ग्राम वन विकास समिति	तिंनो
3	**वन परिक्षेत्र / क्षेत्रीय तकनीकी इकाई**	**केलोंग**
4	**वन मंडल / मंडलीय प्रबंधन इकाई**	लाहौल
5	**गाँव**	**तिनों**
6	**विकास खंड**	**केलांग**
7	**जिला**	**लाहौल- स्पीती**
8	**समान सूची समूह में कुल सदस्यों की संख्या**	9
9	**समूह के गठन की तिथि**	दिसम्बर 2021
10	**बैंक खाता संख्या**	110166224020
11	**बैंक का नाम और शाखा जहाँ समूह का खता संचालित है**	Canara bank
12	**सवयं सहायता समूह की मासिक बचत**	100
13	**कुल बचत**	
14	**सदस्यों को आपस में दिया ऋण**	0
15	**नगती जमां करने की सीमा**	
16	**चुकोती की स्थिति**	6 **महीनें**

4 ग्राम की भौगोलिक स्थिति –

1	जिला मुख्यालय से दूरी	18 किलोमीटर (लगभग)
2	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	केलोंग ,18 किलोमीटर लगभग
3	प्रमुख बाजार का नाम और दूरी	केलोंग , 18 किलोमीटर
4	प्रमुख शहरों से दूरी	कुल्लू 127किलोमीटर, मनाली 87 किलोमीटर
5	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद का विक्रय/ विपणन किया जाएगा	केलोंग,उदयपुर, कुल्लू, भुंतर, मनाली
	प्रस्तावित आय सृजन गतिविधि के संबंध में गांव की कोई विशेष सूचना	गाँव के सदस्य गलीचे बनाने के कार्य के लिए तैयार हैं	
	पिछ्ले/ पूर्व और आगामी संपर्कों की स्थिति	लगातार बैठकर की जा रही है और गलीचे बनाने की जानकारी साझा की जा रही है

1.वयवसाय करने की आवश्यकता क्यों ?

ग्राम वन विकास समिति में महिलाओं का पहले से गठित समूह है जिसमें समूह की सभी महिलाएं गलीचे का कार्य करके अपनी आजीविका को बढाना चाहती हैं | इसलिए महिलाओं ने समूह के माध्यम से जाईका परियोजना से गलीचे बनाने के लिए खडियां प्रदान करने की तथा उचित प्रशिक्षण की मांग की है |

2. वयवसाय योजना के उदेश्य –

समूह की सभी सदस्यों की क्षमता का निर्माण करना | समूह के लिए निरंतर आय

संसाधन को उपलब्ध करना | उत्पाद को बाज़ार से जोड़ना | सभी सदस्यों को काम के लिए प्रेरित करना | हथकरघा वयवस्था की नवीनतम एवम् आधुनिक तकनीकों को बढावा देना |आजीविका की बढोतरी |

3. वयवसाय योजना में निम्न कार्य शामिल हें-

हथकरघा गलीचे बनाने का कार्य शामिल हें|

4. सामुदायिक गतिशीलता-

इसके अंतर्गत ग्रामीणों में जागरूकता पैदा एवं गतिशीलन के उपरांत आजीविका वर्धन के विकल्प का चयन तथा उसके लाभार्थियों की छटनी की गई है|

5. समूह का निर्माण :

सवयं सहायता समूह के सदस्यों को एकत्रित कर समूह का गठन किया गया है तथा समूह का अध्यक्ष ,सचिव व कोषाध्यक्ष का सर्व सहमति से चुना गया | समूह की सदस्यों की सहमति से समूह के लिए नियम एवं शर्तें निर्धारित करके उन्हें लागू करने का प्रावधान कीया गया है|

6 क्षमता का निर्माण -

लाभार्थियों की क्षमता निर्माण हेतु उनका उचित प्रक्षिक्षण करवाना अनिवार्य है|

7खडी इत्यादि का वितरण –

समूह के सभी सदस्यों को अच्छी किस्म खड़ीयां उपलब्ध करवाई जाएगी ताकि अच्छे ढंग से कार्य कर सके |

8.बाज़ार से जोड़ना :

अपने उत्पाद को बेचने के लिए समूह किसी सरकारी व निजी सोसाइटी से उचित शर्तों के साथ सम्बन्ध स्थापितकरने के लिए तैयार है | विक्रय के लिए लोकल बाज़ारों के दुकानदरों से जोड़ कर , मेलों में प्रदर्शनी लगाकर और नेचर अवेयरनेस पार्क में दुकान लगाकर आय कमाने हेतु जोड़ा जायेगा | अधिक उत्पादन होने पर कुल्लू और मनाली बाज़ार के दुकानदारों से जुड़कर कार्य करेगी |

9 .वितीय संसाधनों एवं संबंधित विभागों को जोड़ना :

वयवसाय को आगे बढाने के लिए समूह को वितीय संस्थानों से जोड़ने का प्रयास कीया जायेगा तथा उन्हें' विभन्न बैंकों द्वारा ऋण सुविधाओं से अवगत करवाया जायेगा तथा परियोजना द्वारा बैंकों से जोड़ा जायेगा |

10.अपेक्षित सहायता एवं संसाधनों :

वितीय प्रबंधन : (पूंजीगत व्यय का 75%परियोजना द्वारा सहायता दी जायेगी ,शेष 25 % सदस्य द्वारा वहन कीया जायेगा |

मानव : 9 सदस्य

तकनीकी : तकनीकी सहायता गाँव में ही मास्टर ट्रेनर लगाकर परियोजना द्वारा उचित प्रशिक्षण का प्रावधान कीया जायेगा |

11.अनुमानित लाभ :

महिलाओं के लिए घरेलू रोजगार उपलब्ध होगा |

समूह के सभी सदस्यों के लिए दीर्घ कालीन एवं निरंतर साधन उपलब्ध होगा |

12 बाजार की जानकारी-

स्वयं सहायता समूह के सदस्य पर्यटक स्थलों जेसे –सिस्सू ,अटल टनल ,उदेयपुर, केलोंग , कुल्लू और मनाली के दुकानदारों के साथ जुड़कर या सवयं कार्य अपना व्यवसाय कर सकते है| परियोजना द्वारा स्वयं सहायता समूह के लिए पर्यटक स्थल सिस्सू के आस पास वन विभाग और जाईका की सहायता से एक दुकान का भी जल्द प्रबंध किया जायेगा |जिससे की महिलाओ को अपने बनाये उत्पादों को कहीं अनन्य स्थान पर ले जाने की जरूरत ना हो और समूह की आमदनी में बढ़ोतरी होगी |

5.आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का वितरण-

1	उत्पाद का नाम	गलीचे
2	उत्पाद की पहचान की पद्धति	कुछ सदस्य गलीचे का कार्य पहले से ही करते हैं|
3	स्वयं सहायता समूह/समान सूची समूह/ सदस्यों की सामूहिक सहमति	हां|

उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण-

सर्वप्रथम सवयं सहायता समूह के सदस्यों को परियोजना द्वारा गलीचे बनाने का प्रशिक्षण दिया जायेगा | प्रशिक्षण के उपरान्त समूह सदस्यों द्वारा उत्पाद तैयार करने में निम्न प्रक्रिया की जायेगी:-

गलीचे तैयार करने के लिए खडीयां लखारी जाएँगी। इससे समय और उत्पादों की मजदूरी दर का खर्चा कम होगा।

7. . उत्पादन हेतु नियोजन –

प्रति माह कार्य दिवस : 30 दिन
प्रति माह काम करने वाले व्यक्ति : 9 व्यक्ति
कच्चे माल का स्त्रोत : केलांग , कुल्लू
अन्य संसाधनों का स्त्रोत : केलांग , कुल्लू

1	उत्पादन चक्र (दिनों में) 30 दिन प्रतिदिन 3-4 घंटें कार्य करेंगे |	8 गलीचे
2	प्रति चक्र कार्यकर्ताओं की आवश्यकता (संख्या)	9 सदस्य
3	कच्चे माल का स्त्रोत	केलांग, कुल्लू, भुंतर
4	अन्य संसाधनों का स्त्रोत	शमशी, उदयपुर

नोट : सवयं सहायता समूह के प्रशिक्षण का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाता है तथा इस व्यवसाय योजना में शामिल नहीं है |

8. बिक्री का विवरण-

1	**संभावित बाज़ार स्थल**	केलांग उदयपुर मनाली
2	**इकाई से दुरी**	केलांग 18 किलोमीटर, मनाली 87 किलोमीटर कुल्लू 127 किलोमीटर
3	**बाज़ार में उत्पाद की मांग**	गलीचे
4	**बाज़ार की पहचान की प्रक्रिया**	केलांग , मनाली , कुल्लू ।
5	**उत्पाद के संभावित खरीददार**	संभावित बाज़ार खरीदार , दुकानें स्थानीय निवासी तथा पर्यटक
6	**क्षेत्र में संभावित उपभोगता**	सभी स्थानीय नागरिक और पर्यटक
7	**उत्पाद का विपणन तंत्र**	दुकानदारों से सीधा संपर्क ।
8	**उत्पाद की विपणन रणनीति**	गलीचों की मांग के अनुसार उत्पाद को बढाया या घटाया जायेगा

9. समूह के मध्यप्रबंधन का विवरण-

प्रबंधन के लिए नियम बनाए जाएंगे ।
समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यों का बंटवारा करेंगे ।
बंटवाराकार्य की कुशलता एवं क्षमता के आधार पर किया जाएगा
लाभ का बंटवारा भी कार्य की गुणवत्ता, कुशलता तथा मेहनत के आधार पर किया जाएगा ।

10. शक्ति, दुर्बलता, अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण-

शक्ति

महिलाओं में कार्य करने की लगन है।

पहले से ही कुछ सदस्य गलीचे का काम करते हैं।

समूह में अनुभवी सदस्य भी है।

दुर्बल्ता

महिलाएं कृषि व पशुपालन के कार्य भी करती है।

कार्य के लिए 2 से 3 घंटे का समय ही निकाल पाना।

समूह में कर रहे हो पहली बार कर रहे हैं।

अवसर

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र प्रबंधन परियोजना से सहयोग व निधि मिलेगी।

प्रशिक्षण से कुशलता व क्षमता में बढ़ोतरी होगी।

उत्पादकों की लोकल व शहरों में मांग है।

कुल्ल, मनाली, उदयपुर, त्रिलोकीनाथ, चंद्रताल पर्यटक स्थल है।

अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।

चुनौती

बाजार की स्थिति (डिमांड) को ना समझना।

अन्य उत्पाद केंद्रों से प्रतिस्पर्धा।

उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।

अन्य (कृषि बागवानी व पशुपालन) कार्यों में व्यवस्था।

-संभावित चुनौतियां तथा उनको कम करने के उपायों का विवरण-

क्र.सं.	जोखिमों/चुनौतियों का विवरण	जोखिम कम करने के उपाय
1.	बाजार की स्थिति (डिमांड) को ना समझना।	समय-समय पर बाजार की मांग के अनुसार चलना।
2.	अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।	उपभोक्ताओं के मनपसंद उत्पाद तैयार करना।
3.	अन्य उत्पाद केंद्रों से प्रतिस्पर्धा।	अन्य उत्पाद केंद्रों से बेहतर उत्पाद बनाना व शुरू में कम लाभ कमाना।
4.	उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।	उपभोक्ताओं से हमेशा संपर्क में रहना।
5.	कृषि, बागवानी व पशुपालन कार्य में ज्यादा व्यवस्था।	कृषि, बागवानी व पशुपालन और घर के अन्य कार्य में साथ साथ बुनाई में ध्यान देना।
6.	समूह में बंटवारा	समूह में बंटवारा कुशलता व क्षमता के आधार पर करना।पारदर्शिता से कार्य करना।
7.	उत्पाद की गुणवत्ता घटने से बिक्री कम हो सकती है।	गुणवत्ता बनाए रखने के लिए समूह को उच्च मापदंड रखने होंगे।

12. उद्यम हेतु अनुमानित लागत एवं उत्पाद के विक्रय मूल्य की गणना -

1) पूंजीगत व्यय

क्रमांक	गतिविधि	मात्रा	मूल्य	कुल व्यय	परियोजना अंश 75%	लाभार्थी अंश 25%
1	गलीचे की खड़ी	9	9000	81000	60750	20250
	योग	9		81000	60750	20250

(2) आवर्ती व्यय

क्र. स.	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशी
गलीचे					
1	कच्चा माल धागा	किलोग्राम	70	350	24500
2	सुतर धागा	किलोग्राम	20	190	3800
3	मजदूरी	दिन	20	200	4000
4	अन्य खर्चा पैकेजिंग ,स्टीकर बिजली ,पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा इत्यादि|			L/S	1000
	कुल				33300/-

(3) उत्पादन की लागत

क्र. स.	विवरण	धनराशी (रुपए)
1	कुल आवरती लागत	33300/-
2	पूंजीगत व्यय पपर 10%वार्षिक मूल्य ह्रास	675/-
	योग	**33975/-**

(4) विक्रय मूल्य की गणना

क्र. स.	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशी
1	उत्पादन की लागत				
	गलीचे	नंबर	9	3000	27000
	कुल लागत		9 नग		27000/-
2	उत्पादन की अनुमानित विक्रय				
	गलीचे		9	5000	45000
	योग		9 नग		**45000/-**
3	निर्धारित लाभ (प्रतिशत में)				
	गलीचे	100%	9	2000	18000
	योग		9 नग		18000/-

13.उद्यम लागत – लाभ विश्लेषण

मद	धनराशी (रूपए में)
पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास	**675/-**
आवरती व्यय	**33300/-**
योग	**33975/-**
कुल उत्पादन (न0 9 में)	प्रतिमाह / **9 न0**
उत्पादन की बिक्री मूल्य प्रतिमाह	**45000/-**
उत्पादन की बुनाई से आय (न0 9)	**18000/-**
कुल लाभ = बिक्री मूल्य – (पूंजीगत मूल्य ह्रास + आवरती मूल्य) =45000-(675+33975)	10350/-
उत्पाद की बुनाई से सकल लाभ =कुल लाभ + मजदूरी + कमरा किराया =10350+16000+1000	27350/-

यह धनराशी मजदूरीव किराये के अतिरिक्त है||

14. धन की आवश्यकता

क्रमांक	विवरण	राशि (रूपए में)
1	परियोजना द्वारा पूंजीगत व्यय का 75% अनुदान	60750
2.	लाभार्थी अंश (25% पूंजीगत व्यय)	20250
	योग	**81000/-**

5 सम विच्छेदन बिन्दू (ब्रेक इविन प्वाइन्ट) की गणना -

ब्रेक इवन पॉइंट = पूंजीगत व्यय / विक्रय मूल्य –आवर्ती व्यय
=81000/ 45000-33975
= 7.34 माह = 7.34*30 = 220.2दिन (लगभग 220 दिन)

उपरोक्त अनुपात में बुनाई करके देने पर " ब्रेक इवन पॉइंट" 220 दिनों में प्राप्त होगा| दुसरे शब्दों में इस गतिविधि में लगी गई राशि 220 दिनों में प्राप्त होगा |

16. स्वयं सहायता समूह नियमो की सूची-

1. समूह का काम :बुनाई का कार्य
2. समूह का पता : **गाँव तिन्नो , तहसील केलोंग , जिला लाहुल स्पिति, हिमाचल प्रदेश |**
3. समूह के कुल सदस्य: 9
4. समूह की मासिक बैठक हर माह को होगी |
5. समूह के सभी सदस्य हर माह की बचत की गई राशि को समूह में जमा करेगें
6. स्वंय सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा
7. समूह की बैठक में गेर हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी
8. समूह में जो बचत की राशी जमा नहीं करवाते या 3 बेठकों तक समूह से गेर हाज़िर रहते है तो उस व्यक्ति को समूह से निकाल दिया जाऐगा
9. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए वगेर गेर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होगें तो खर्च मिल कर देना होगा
10. स्वंय सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाऐगें
11. ऋण का उदेश्य रकम की चुकोती का समय ऋण की किश्त और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी
12. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशी होनी चाहिए

ूह के सदस्यों के छायाचित्र-

			Dechen Zangmo	Noru Palzom
विजय लक्ष्मी	कमला	किग्जोम	देचेन ज़न्मो	नोरु पुल्जोम
		Sonam Chhomo		
कमला देवी	छोमो	सोनम छोमो	तशी लामो	

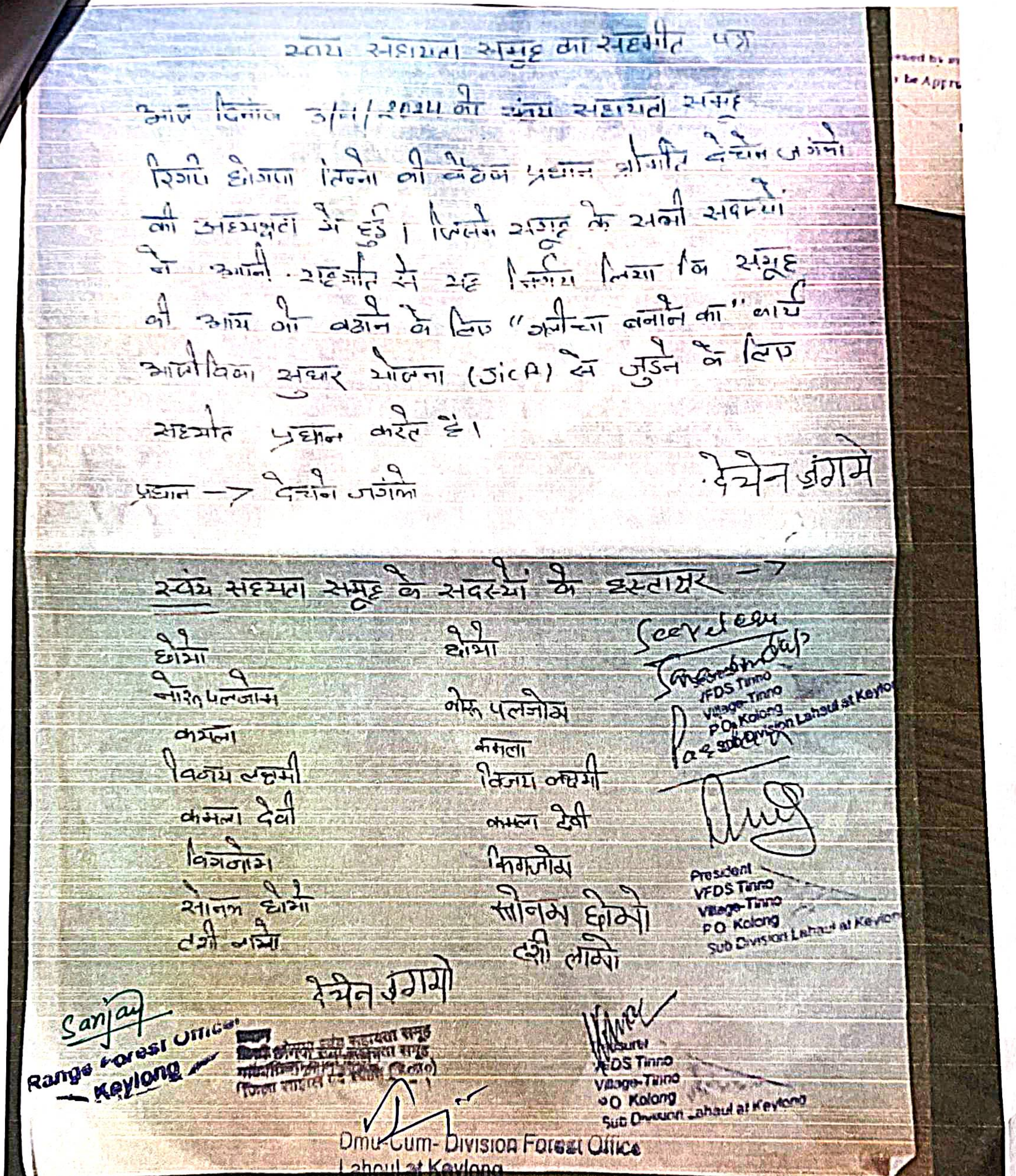

स्वयं सहायता समूह का सहमति पत्र

आज दिनांक 3/11/2024 को स्वयं सहायता समूह रिगी छोगपा तिन्नो की बैठक प्रधान श्रीमति देचेन जंगमो की अध्यक्षता में हुई। जिसमें समूह के सभी सदस्यों ने अपनी सहमति से यह निर्णय लिया कि समूह की आय को बढ़ाने के लिए "गलीचा बनाने का" कार्य आजीविका सुधार योजना (JICA) से जुड़ने के लिए सहमति प्रदान करते हैं।

देचेन जंगमो

प्रधान -> देचेन जंगमो

स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के हस्ताक्षर ->

छोमो	छोमो
नोरबू पलजोम	नोरबू पलजोम
कमला	कमला
विजय लक्ष्मी	विजय लक्ष्मी
कमला देवी	कमला देवी
किगजोम	किगजोम
सोनम छोमो	सोनम छोमो
टशी लामो	टशी लामो

देचेन जंगमो

Secretary
Secretary
VFDS Tinno
Village-Tinno
P.O. Kolong
Sub Division Lahaul at Keylong

President
VFDS Tinno
Village-Tinno
P.O. Kolong
Sub Division Lahaul at Keylong

Sanjay
Range Forest Office
Keylong

प्रधान
रिगी छोगपा स्वयं सहायता समूह

Treasurer
VFDS Tinno
Village-Tinno
P.O. Kolong
Sub Division Lahaul at Keylong

Dmu-Cum- Division Forest Office
Lahaul at Keylong